साहित्य संहिता
Available at http://sahityasamhita.org/

ISSN 2454-2695
Volume 02 Issue 4
April 2016

राष्ट्र की असल शक्ति जवानों की देश भक्ति

शशिकांत निशांत शर्मा 'साहिल'

राष्ट्र की असल शक्ति
जवानों की देश भक्ति
हैं पुराणी ये उक्ति
बेशकीमती ये पंक्ति
अमल करो अमल करो
अपने लिए नहीं
देश के लिए मरो
वो जीवन क्या हैं
जिसमे शौर्य नहीं
वह गगन क्या हैं
जिसमे सूर्य नहीं
स्मरण करो
स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान
दधिची का वो अशीति दान
स्मरण करो बार बार
राष्ट्र के लिए प्राण निछावर
राष्ट्र सेवा के लिए तत्पर
इसी में हैं सबकी मुक्ति
राष्ट्र की असल शक्ति
जवानों की देश भक्ति